"अपना मन उन वस्तुओं पर लगाओ जो ऊपर हैं न कि उन वस्तुओं पर जो पृथ्वी पर हैं "
(कर्नल ३:२)

4 जीवन का वचन

जीवन में ऊंचा लक्ष्य रखो

जो चीज़ें ऊपर हैं उन्हें ढूढ़ने का क्या मतलब है?

इसका मतलब है कि आपके जीवन में आपको ईश्वर पर और उसकी सम्बंधित चीजों पर ध्यान देना चाहिए। यीशु पृथ्वी पर स्वर्ग का जीवन लेकर आए। जब वह ईस्टर पर मरे हुओं में से जी उठा, तो वह एक नई सृष्टि लेकर आया।

"अपना मन उन वस्तुओं पर लगाओ जो ऊपर हैं न कि उन वस्तुओं पर जो पृथ्वी पर हैं ? "

इसका अर्थ उन सभी मूल्यों से है जो यीशु ने पृथ्वी पर लाए और अपने अनुयायियों की विशेषता बताई, जैसे:

आपस में प्यार,
शांति,
माफी,
पवित्रता,
ईमानदारी,
न्याय, वगैरह।

और जब हम संसार के बीच में रहते हैं तो हम अपने हृदयों को स्वर्ग से कैसे जोड़े रख सकते हैं?

खुद को येसु के विचारों और भावनाओं द्वारा निर्देशित होने की अनुमति देकर, जिनकी आंतरिक टकटकी हमेशा अपने पिता की ओर लगी रहती थी और जिनके जीवन में हर पल स्वर्ग का नियम परिलक्षित होता था, जो प्रेम का नियम है»[1]

(1 किआरा लुबिक, जीवन का वचन, अप्रैल २००१)

सुसमाचार को जीने का चुनाव करने के क्या परिणाम हैं?

सुसमाचार को जीना एक ऐसा विकल्प है जो हमारे सोचने के तरीके को पूरी तरह से बदल देता है।
यह हमारे सोच से बिलकुल उल्ट, हमारे सामने एक मॉडल रखता है और हमे लक्ष्य देता है । यह हमें दूसरों के प्रभाव से मुक्त करता है। हम पूरी तरह से बदल जाते हैं!

सुसमाचार के वचन हमें कई अच्छे मूल्य प्रदान करते हैं, और हमें उन्हें अभ्यास में लाना चाहिए।

उन्हें जीने से, हम खुद को उन लोगों के रूप में पूरा कर सकते हैं जो वास्तव में येसु के साथ जी उठे हैं। हमें एहसास होगा कि जब हम इस तरह जीते हैं तो इससे ज्यादा खुश हम कभी नहीं रहे।

यीशु के साथ रहने से हमारा जीवन बदल जाएगा।

सभी असफलताओं, बुराई या हिंसा से परे, हर उस चीज़ से परे जो हम भुगत सकते हैं, यीशु जी उठा है और वह है जो दुनिया के इतिहास को निर्देशित करता है, साथ ही साथ हम में से प्रत्येक को जीवन देता है।

टीन्स4यूनिटी द्वारा अनुकूलित
वर्ड ऑफ लाइफ द्वारा लिखित
पत्रीज़िया माज़ोला और उनकी टीम